**Отчет о прочтении Имя: \_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_**

*Срок:* 17 мая (среда)

►Укажите в крайней правой колонке объем библейского текста, который вы действительно прочитали.

Если вы прочитали ВЕСЬ библейский отрывок, просто отметьте это галочкой (√ ).

В противном случае, ПЕРЕЧИСЛИТЕ конкретные главы и стихи, которые вы на самом деле читали.

|  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- |
| Сессия 1:6 мая 2023 г.(Суббота) | Введение | Историческая справка | 4 Цар 21-25 гл |  |
| Призыв к служению пророка | Иер. 1 гл |  |
| 1) Привлечение Божьего народа к ответственности за свои грехи: | Осуждающие изречения  в Иеремии | Иер. 4:5‑6:30 |  |
| Иер. 11:1‑17 |  |
| Иер. 12:7‑17 |  |
| Иер. 13:15‑14:10 |  |
| Иер. 15:1‑9 |  |
| Иер. 16:10‑13 |  |
| Иер. 17:1‑13 |  |
| Иер. 17:19‑27 |  |
| Иер. 24 гл |  |
| Призыв к покаянию | Иер.3:1‑4:4 |  |
| Иер. 7:1‑8:3 |  |
| Иер. 14:17‑22 |  |
| Иер. 26 гл |  |
| Пророчества против народов | Иер. 46-51 гл |  |
| 2) Противостояние политическому и религиозному лидерству | Конфликт с руководством | Иер. 21:1-23::8 |  |
| Иер. 34 гл |  |
| Иер. 36-38 гл |  |
| Конфликт с «лжепророками» | Иер. 14:11-16 |  |
| Иер. 23:9-40 |  |
| Иер. 27-29 гл |  |
| Сессия 2:16 мая(Вторник) | 3) Использование методов убедительной коммуникации | Стили провозглашения в Иеремии● Знамения-действия ● Использование метафор● Брачная метафора | Иер. 2 гл |  |
| Иер. 8:4‑10:25 |  |
| Иер. 13:1-14 |  |
| Иер. 18:1-17 |  |
| Иер. 19 гл |  |
| Иер. 25 гл |  |
| Иер. 35 гл |  |
| 4) Как справиться с трудностями служения, когда никто не слушает | Оппозиция служению Иеремиии Плач Иеремии | Иер. 11:18-12:6 |  |
| Иер. 15:10-16:9 |  |
| Иер. 17:14-18 |  |
| Иер. 18:18-23 |  |
| Иер. 20 гл |  |
| Сессия 3:17 мая(Среда) | 5) Дарить надежду на будущее | Падения Иерусалима | Иер. 39-45 гл |  |
| Иер. ch. 52 |  |
| Темы восстановления | Иер. 16:14-21 |  |
| Иер. 30-33 гл |  |